SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 04 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 127

महाकुंभ में बसंत पंचमी पर शाही स्नान, कड़ी सुरक्षा के बीच लाखों ने लगाई डुबकी

प्रयागराज | आरएनएस

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के चौथे शाही स्नान पर श्रद्धालुओं का आना जारी है। सोमवार को बसंत पंचमी के मौके पर भोर में ही स्नान का क्रम शुरू हो गया।

इस बार कड़ी सुरक्षा के बीच अखाड़ों के साधु-संतों और श्रद्धालुओं को स्नान कराया जा रहा है। सुबह 8 बजे तक 35 लाख से अधिक लोगों ने संगम में डुबकी लगाई थी। सोमवार को पूरा दिन 3 से 5 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की संभावना है।

मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीड़ संभालने के लिए पुलिस-प्रशासन को और अधिक व्यवस्था करने को कहा है। सभी वीवीआईपी प्रोटोकॉल रद्द हैं।

मुख्यमंत्री योगी खुद सुबह 3:30 बजे से लखनऊ स्थित अपने आवास पर बने 'वॉर रूम' से स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

पुलिस और अर्धसैनिक बल के कर्मचारी श्रद्धालुओं को एक घाट पर जमा होने से रोक रहे हैं। वे किसी भी घाट पर स्नान के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

बसंत पंचमी के मौके पर शाही स्नान के लिए भोर होते ही सभी 13 अखाड़ों ने अपने महामंडलेश्वरों के नेतृत्व में त्रिवेणी संगम के घाटों की ओर औपचारिक यात्रा की।

अखाड़ों के साधु-संत जुलूस की शक्ल में सुबह 5 बजे संगम घाट तक पहुंच गए। इस दौरान पुलिस की टीम भीड़ को व्यवस्थित कर रही थी।

मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को बिना किसी त्रुटि के महाकुंभ संपन्न कराने को कहा है।

महाकुंभ 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के शाही स्नान के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद 14 को मकर संक्रांति और 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर तीसरा शाही स्नान हुआ।

बसंत पंचमी के बाद अगला शाही स्नान 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा पर होगा और अंतिम शाही स्नान 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर होगा।

महाकुंभ 26 फरवरी को अंतिम शाही स्नान के साथ संपन्न होगा। इसके बाद 2027 में नासिक में और 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ होगा।

बसंत पंचमी पर पावन स्नान, साधु-संतों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा हुई

बसंत पंचमी के अवसर पर सोमवार को त्रिवेणी संगम में अखाड़े अपने निर्धारित समय और कार्यक्रम के अनुसार पावन स्नान कर रहे हैं। भोर से ही संगम पर अखाड़ों का जाना शुरू हो गया था।

बाकी अखाड़े अपने क्रम के अनुसार स्नान के लिए जा रहे हैं। इस दौरान स्नान के लिए श्रद्धालुओं का रेला भी नजर आ रहा है। इस मौके पर हाथों में तलवार-गदा, त्रिशूल, डमरू, शंख और शरीर पर भभूत है। पालकी, घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंच रहे हैं।

वसंत पंचमी के मौके पर तीसरा अमृत स्नान कर रहे साधु-संतों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जा रही है। साथ ही भक्त भी दर्शन और चरण रज लेने के लिए खड़े नजर आ रहे हैं। बसंत पंचमी का पर्व महाकुंभ का तीसरा और आखिरी अमृत स्नान है।

परंपरा के अनुसार सभी अखाड़े अपने-अपने क्रम से पवित्र संगम में अमृत स्नान कर रहे हैं। अखाड़ों के सभी पदाधिकारियों, महंत, अध्यक्ष, मंडलेश्वरों, महामंडलेश्वरों के रथ, हाथी, घोड़ों, चांदी के हौदों की साज-सज्जा फूल, मालाओं और तरह-तरह के आभूषणों से सजी नजर आ रही है। महामंडलेश्वरों के रथों पर भगवान की मूर्तियां, शुभ चिन्हों, पशु-पक्षियों, कलश आदि का अलंकरण किया गया है।

नागा और बैरागी संन्यासी मध्य रात्रि से तन पर भस्म रमा कर अखाड़ों की धर्म ध्वजा और ईष्ट देव का पूजन कर रहे हैं। समय और क्रम के अनुसार सभी अखाड़े अपने ईष्ट देवों की पालकियां लेकर संगम की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। उनके साथ मंडलेश्वरों और महामंडलेश्वरों के रथ और घोड़े के साथ उनके भक्तगण भी अमृत स्नान के लिए पहुंच रहे हैं।

एक-एक करके सभी अखाड़े स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रात: साढ़े तीन बजे से अपने सरकारी आवास स्थित वॉर रूम में डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ बसंत पंचमी के अमृत स्नान का लगातार अपडेट ले रहे हैं और आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। प्रथम अखाड़े का स्नान सकुशल संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री योगी ने बसंत पंचमी के मौके पर सोशल मीडिया पर लिखा कि महाकुंभ-2025, प्रयागराज में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर पवित्र त्रिवेणी संगम में पावन अमृत स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले पूज्य साधु-संतों, धर्माचार्यों, सभी अखाड़ों, कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई।

अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी विमान दुर्घटना में 67 लोगों की हुई मौत, अब तक 55 शव बरामद

हादसे को लेकर उठ रहे सवाल

आर्लिंगटन। अमेरिका में घातक विमान हादसा हुआ था जिसमें 67 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद अब तक 55 मृतकों के शवों को बरामद कर लिया गया है। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पोटोमैक नदी के ऊपर बीते सप्ताह बुधवार को यह हादसा हुआ था। यह प्लेन हादसा अमेरिका में 2001 के बाद हुए अब तक के सबसे घातक हवाई हादसों में से एक है। वाशिंगटन डीसी के अग्निशमन एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवा (ईएमएस) प्रमुख जॉन डोनेली ने कहा है कि गोताखोर अब भी इस दुर्घटना में मारे गए 12 लोगों के शवों की तलाश कर रहे हैं। बचाव कर्मी सोमवार सुबह तक पोटोमैक नदी से मलबा उठाने की तैयारी में हैं। विमान के कुछ बचे हिस्से को ट्रक में भरकर जांच के लिए 'हैंगर' (विमानों को रखने की जगह) ले जाया जाएगा।

आयरलैंड में भीषण सड़क हादसा, पेड़ से टकराई कार; 2 भारतीय छात्रों की हुई मौत

लंदन। दक्षिणी आयरलैंड के कार्लो काउंटी में एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आयरिश पुलिस ने इस हादसे को लेकर जानकारी दी है। स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की ओर से घातक सडक़ हादसे के बाद चेरेकुरी सुरेश चौधरी और चिथूरी भार्गव को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया। आयरलैंड की राजधानी डबलिन स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को सोशल मीडिया पर शोक संदेश जारी किया। दूतावास ने कहा, ''डबलिन स्थित भारतीय दूतावास, काउंटी कार्लो में एक कार दुर्घटना में दो भारतीय नागरिकों श्री चेरेकुरी सुरेश चौधरी और श्री चिथूरी भार्गव की दुखद मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।''

कोरिया, दुष्ट देश कहे जाने पर दे डाली चेतावनी

सियोल। उत्तर कोरिया ने उसे एक 'दुष्ट' देश कहने पर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर निशाना साधा है। उत्तर कोरिया की ओर से सोमवार को कहा गया है कि कि इस तरह की 'असभ्य और निरर्थक टिप्पणियों' से अमेरिका का कभी हित नहीं होगा। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले मौजूदा प्रशासन की पहली बार आलोचना की है। उत्तर कोरिया ने पहले भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका के प्रति अपना कड़ा रुख फिलहाल बरकरार रखेगा। ट्रंप ने कहा है कि कूटनीति के जरिए उनका उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से संपर्क करने का इरादा है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकी हमला, पूर्व सैनिक के परिवार पर फायरिंग

श्रीनगर | आरएनएस

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकी हमला हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को बेहीबाग इलाके में आतंकियों ने एक पूर्व सैनिक, उनकी पत्नी और उनकी बेटी पर करीब से फायरिंग की, जिसमें वे घायल हो गए.

एक अधिकारी ने बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया.

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है.

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अज्ञात आतंकवादियों ने आज दोपहर दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में पूर्व सैन्यकर्मी पर गोलीबारी की. इस घटना में पूर्व सैन्यकर्मी, उनकी पत्नी और बेटी घायल हो गए. उन्हें तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया.

अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों की पहचान मंजूर अहमद वागे पुत्र गुलाम हसन वागे और उनकी पत्नी आइना के रूप में हुई है, जो कुलगाम के बेहीबाग के रहने वाले हैं.

दुनिया की सबसे ताकतवर सैन्य शक्ति वाले देशों में भारत चौथे रैंक पर

0 ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स की लिस्ट जारी

नईदिल्ली | आरएनएस

ग्लोबल फायरपावर ने साल 2025 की नई लिस्ट जारी कर दी है. ग्लोबल फायरपावर एक संस्था है, जो दुनिया भर के देशों की सैन्य शक्ति के आधार पर उनकी रैंकिंग तय करती है. लिस्ट में विश्व के सभी देशों की रैंकिंग बताई जाती है. इस बार की रैंकिंग ने पाकिस्तान को हिला दिया है.

ग्लोबल फायरपावर की ताजा रैंकिंग में भारत चौथे स्थान पर है. यानी भारत की सैन्य शक्ति दुनिया भर में चौथे नंबर पर है. साल 2025 की तरह ही भारत 2024 में भी दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सैन्य शक्ति थी. हालांकि, पाकिस्तान पिछली बार के मुकाबले इस बार और नीचे गिर गया है. लिस्ट में हर बार की तरह ही अमेरिका नंबर एक पर है. दूसरे नंबर पर रूस और तीसरे नंबर पर चीन काबिज है.

ग्लोबल फायरवार इंडेक्स 60 मानकों के आधार पर सेनाओं की ताकत का मूल्यांकन करता है. जैसे- सैन्य इकाइयां, लॉजिस्टिक्स, वित्तीय स्थिति, तकनीकी विकास और भौगोलिक स्थिति आदि मानक शामिल हैं.

भारत का पड़ोसी देश और आतंकवाद का सरपरस्त देश पाकिस्तान 2024 में फायपावर रैंकिंग में नौवें नंबर पर था. हालांकि, इस बार लिस्ट ने पाकिस्तान को करारा झटका दिया है. पाकिस्तान 2025 में नौवें से फिसलर 12वें स्थान पर आ गया है. लिस्ट सैन्य शक्ति में पाकिस्तान की गिरावट दर्शाती है. पाकिस्तान की सैन्य स्थिति और रक्षा आधुनिकीकरण में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिस वजह से पाकिस्तान का बेड़ा गर्क हो गया है. बता दें, लिस्ट में सबसे नीचे भूटान है.

2025 की टॉप-10 सैन्य शक्तियां

- अमेरिका: पावर इंडेक्स स्कोर 0.0744
- रूस: पावर इंडेक्स स्कोर 0.0788
- चीन: पावर इंडेक्स स्कोर 0.0788 है
- भारत: पावर इंडेक्स स्कोर 0.1184
- दक्षिण कोरिया: पावर इडेक्स स्कोर 0.1656
- यूके: पावर इंडेक्स स्कोर 0.1785
- फ्रांस: पावर इंडेक्स स्कोर 0.1878
- जापान: पावर इंडेक्स स्कोर 0.1839
- तुर्की: पावर इंडेक्स स्कोर 0.1902
- इटली: पावर इंडेक्स स्कोर 0.2164

सुप्रीम कोर्ट ने महाकुंभ भगदड़ को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, कार्यवाई के लिए याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट भेजा

नईदिल्ली | आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मची भगदड़ मामले में सोमवार को सुनवाई की। इसमें कोर्ट ने भगदड़ को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया, लेकिन घटना के लिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के संबंध में सुनवाई के लिए याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने का आदेश देते हुए याचिका खारिज कर दी।

बता दें कि 29 जनवरी को संगम नोच में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अधिक लोग घायल हो गए थे।

महाकुंभ में मची भगदड़ के मामले में अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और चिंता का विषय है, लेकिन याचिकाकर्ता को दोषियों पर कार्रवाई के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट जाना चाहिए। इस घटना की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग पहले ही गठित किया जा चुका है।"

सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि घटना की पुलिस जांच के साथ अलग से न्यायिक जांच भी चल रही है और वह अगले एक महीने में इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी।

उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश हर्ष कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग ने घटना स्थल का दौरा भी कर लिया है।

बता दें कि आयोग में पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वीके गुप्ता और सेवानिवृत्त आईएएस डीके सिंह भी शामिल हैं।

मौनी अमावस्या पर करीब 5 से 8 करोड़ श्रद्धालु स्नान करने के लिए महाकुंभ पहुंचे थे।

29 जनवरी तडक़े 2 बजे संगम नोज पहुंचने के चक्कर में भगदड़ मच गई और लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से अधिक घायल हो गए।

इसकी पुष्टि प्रशासन ने घटना के 12 घंटे बाद की। भगदड़ में सैकड़ों लोग अपने परिजनों से बिछड़ गए। हादसे के बाद प्रशासन ने सख्त फैसले लिए हैं।

घटना के बाद याचिकाकर्ता तिवारी ने तर्क दिया कि योगी आदित्यनाथ सरकार महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर भगदड़ को रोकने में विफल रही है। इसके लिए प्रशासनिक खामियां जिम्मेदार थी और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए एक समर्पित सहायता प्रकोष्ठ संचालित करने, स्वास्थ्य देखभाल के लिए विभिन्न राज्यों से चिकित्सा टीमों की तैनाती करने और सभी राज्यों को भीड़ प्रबंधन नीतियों में सुधार करने के निर्देश देने की भी मांग की थी।

महाकुंभ में भगदड़ को लेकर लोकसभा में विपक्षी सांसदों का हंगामा, मृतकों की सूची मांगी

नईदिल्ली | आरएनएस

संसद में बजट सत्र के दौरान सोमवार को विपक्ष ने महाकुंभ में भगदड़ को लेकर काफी हंगामा किया। सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सांसदों ने लोकसभा में सरकार से भगदड़ में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की सूची जारी करने की मांग की। यह हंगामा प्रश्नकाल के दौरान किया गया।

इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि राष्ट्रपति ने अभिभाषण में महाकुंभ के बारे में बोला है, इसलिए अन्य समय में यह मुद्दा उठा सकते हैं।

विपक्षी सांसदों ने भगदड़ और अव्यवस्था को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने सरकार होश में आओ के नारे लगाए।

इस दौरान स्पीकर बिरला ने एक विपक्षी सांसद पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आपको जनता ने प्रश्न पूछने के लिए भेजा है, न की मेज तोडऩे के लिए।

उन्होंने कहा कि अगर मेज तोडऩा है तो उसे और जोर से तोड़िए।

नेहरू के समय कुंभ में 800 लोगों की मृत्यु हुई थी, राज्यसभा में पीयूष गोयल

नई दिल्ली | आरएनएस

प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय आयोजित कुंभ मेले के दौरान 800 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी। सोमवार को राज्यसभा में यह बात केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कही। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में जवाहरलाल नेहरू की सरकार थी, उस समय कुंभ मेले का आयोजन हुआ था और तब मौनी अमावस्या के दिन कुंभ मेले में 800 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी।

पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र में यूपीए सरकार के समय 57 फीसदी अधिक किसानों ने आत्महत्या की थी। नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े वरिष्ठ राजनेता हैं, लेकिन हम उनसे यह उम्मीद नहीं करते कि वह अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत का नाम खराब करें। नेता प्रतिपक्ष ने पूरी तरह से गलत आंकड़ों को बताया है।

मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा था कि यह अमृत काल है या विष काल है। बीते 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है।

इसके जवाब में पीयूष गोयल ने नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि हमारी सरकार के मुकाबले आपकी सरकार में 57 फीसदी अधिक किसानों ने आत्महत्या की थी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 1986 में आयोजित कुंभ मेले में 200 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी, तब कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह अन्य मुख्यमंत्रियों के साथ वीआईपी मूवमेंट में कुंभ गए थे। वीआईपी मूवमेंट की वजह से तब कुंभ मेले में 200 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी।

उन्होंने बताया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि सांस्कृतिक आजादी हमें राम मंदिर के दिन मिली।

इससे पहले राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मल्लिकार्जुन खडग़े ने महाकुंभ में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने राज्यसभा में कहा कि महाकुंभ में हजारों की संख्या में लोगों ने अपनी जान दी है, मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।

इस पर सत्ता पक्ष के सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। सत्ता पक्ष के सांसद खडग़े के हजारों की संख्या बोले जाने से नाराज थे।

सभापति जगदीप धनखड़ ने भी खडग़े को टोकते हुए कहा कि यदि आप हजारों लोगों के मरने की बात कहेंगे तो मैं आपसे अपील करूंगा कि आप अपने वक्तव्य पर ध्यान दें। आपके बोलने का काफी महत्व पड़ता है और यदि आप इस प्रकार की बात कहेंगे कि हजारों लोग... तो, आप किस प्रकार का संदेश दे रहे हैं।

सभापति ने कहा कि मैं आपसे अपील करता हूं और चाहूंगा कि आप अपना बयान वापस लें। इसके साथ ही सभापति ने खडग़े से कहा कि वह आज सदन की कार्यवाही समाप्त होने तक अपने बयान को सिद्ध करें।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी समर्थन करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को अपनी बात सिद्ध करनी चाहिए।